ईश्वर के साथ जीवन जीना ही जीवन है - उदित नारायण

गॉडलीवुड स्टूडियो के प्रथम फेस का उद्घाटन

आबू रोड। जब हम उंचाईयों की ओर बढ़ते हैं तो इसमें परमात्मा का हाथ होता है। जब हम मार्ग में आने वाली अनेक बाधाओं को पार कर सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच जाते हैं और उसे बनाये रखने के लिए

स्वयं को अहंकार से बचाना होता है।

उक्त उद्गार बॉलीवुड के सुप्रसिद्ध संगीतकार उदित नारायण ने ब्रह्माकुमारीज् द्वारा नवनिर्मित ''गॉडलीवुड स्टूडियो'' के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ईश्वर के साथ रहना, ईश्वर के साथ जीना ही जीवन है। मैं इस संस्था की वाणी से, गीतों द्वारा कई वर्षों

से सेवा करता आ रहा हूँ और आगे भी करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि फिल्मों की दुनिया में बॉलीवुड, हॉलीवुड, टॉलीवुड का ही नाम है जो कि सामाजिक सरंचना पर आधारित फिल्में बनाकर मनोरंजन किया करती थी लेकिन अब 'गॉडली वुड' स्टूडियो का निर्माण हो जाने के बाद फिल्मों की गुणवत्ता में सुधार आयेगा। उन्होंने माउण्ट आबू के बारे में बोलते हुए कहा कि यहां किसी भी तरह के फिल्मों की सूटिंग की जा सकती है। यहां की संस्कृति पर आधारित फिल्में भी बनाई जा सकती है। उदित नारायण के साथ उनकी पत्नी और गायिका दीपा नारायण भी उपस्थित थी। गणतंत्र दिवस की संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में वे स्वयं को देशभक्ति गीत गाने से रोक नहीं पाये।और दोनों ने मिलकर कई गीत गाए।

संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि ईश्वरीय सेवा के लिए बना यह स्टूडियो जल्द से जल्द से भगवान को प्रत्यक्ष करेगा। उन्होंने कहा कि कांटों को फूल बनाने का और फूलों को गार्डन बनाने का कार्य यह स्टूडियो करेगा। और साथ ही दुनिया में कैसे जीना चाहिए यह भी सिखायेगा।

संस्था की सह मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि गॉडली वुड स्टूडियो आज हम सभी को एक नई प्रेरणा दे रहा है कि हमें परमात्मा का संदेश घर-घर तक पहुंचाकर जल्द से जल्द भगवान को प्रत्यक्ष करना है।

बॉलीवुड कलाकार तथा सुपर कैसेट टी.सीरिज के मालिक कृष्ण कुमार ने कहा कि यह स्टूडियो एक नये समाज की स्थापना में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। उन्होंने कहा कि हमने अपने जीवन में बहुत सारे स्टूडियो देखे हैं लेकिन 'गॉडलीवुड' जैसा स्टूडियो एक भी नहीं है। आज भी भारत में लगभग 80 प्रतिशत स्टूडियो में आधुनिक टेक्नोलॉजी नहीं है। वर्तमान समय यह सबसे आधुनिक स्टूडियो है क्योंकि यहां पर 'एच.डी.' टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया गया है।

संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर ने कहा कि आज का दिन हम सभी लोगों के लिए गौरव का दिन है। इस स्टूडियो द्वारा आने वाले समय में बहुत सेवा होगी और करोड़ों लोगों को घर बैठे ही परमात्मा का संदेश मिल जायेगा। हमारा यह प्रयास रहेगा कि एक वर्ष के अंदर ही परमात्मा का संदेश देश के कोने-कोने में पहुंच जायेगा।

गॉडलीवुड स्टूडियो के मैनेजिंग ट्रस्टी ब्र.कु.रमेश शाह ने कहा कि हम सभी लोगों ने दिन-रात मेहनत करके इस स्टूडियो को साकार रूप दिया है। यह स्टूडियो संदेश, अनुभव और रिजल्ट तीनों को साकार करेगा। उन्होंने इस अवसर पर स्टूडियो का कार्य सम्पन्न करने वाले टेक्नीशियनों, इंजीनियरों का भी आभार प्रगट किया।

इस कार्यक्रम को चांद मिश्रा, ललित सोढ़ा, ब्र.वु.करूणा, डॉ.अशोक मेहता, ब्र.कु.मोहिनी, ब्र.कु.मुन्नी, ब्र.कु.भूपाल ने भी सम्बोधित किया।

गॉडलीवुड स्टूडियो नवर्निमित भवन

शान्तिवन। गॉडलीवुड स्टूडियो का उद्घाटन करते हुए दादी जानकी दादी हद्यमोहिनी ब्र.कु. निवैर ब्र.कु रमेश ब्र.कु. मोहिनी बहन तथा अन्य।